## संपादकीय

### जलवायु की फिक्र

ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी के कहर से जूझ रही है जलवायु परिवर्तन पर दुनिया के बड़े चालीस देशों का सम्मेलन आयोजित होना विषय की गंभीरता को ही दर्शाता है। अमेरिका की पहल पर हाल ही में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में अमेरिका, ब्रिटेन, चीन जापान व भारत समेत बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों ने भाग लिया। दरअसल, अब तक पूरी दुनिया में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जित करने वाले मुल्क बड़ी-बड़ी बातें तो करते थे, लेकिन अमल के मुद्दे पर किनारा कर जाते थे। लेकिन इस मुश्किल वक्त में आयोजित सम्मेलन को देखकर लगा कि वे लगातार गहराते जलवायु परिवर्तन संकट को वाकई दूर करने को तैयार नजर आते हैं। हाल के दिनों में अमेरिका व अन्य देशों के मौसम के व्यवहार में जो अप्रत्याशित परिवर्तन देखा गया, उसे मानवता के लिये खतरे की घंटी के रूप में देखा जा रहा है। वहीं जलवायु परिवर्तन जैसे गंभीर मुद्दे पर अमेरिका का लौटना जो बाइडेन सरकार की प्रतिबद्धता को ही दर्शाता है। अन्यथा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस जलवायु परिवर्तन पहल से अमेरिकी को अलग कर लिया था। इस सम्मेलन में बाइडेन ने घोषणा की कि चालू दशक में अमेरिका कोयले और पेट्रोलियम पदार्थों का इस्तेमाल लगभग आधा कर देगा। साथ ही उनके अभियान में वर्ष 2030 तक 450 गीगावाट अक्षय ऊर्जा भी शामिल होगी, जिसमें भारत के सहयोग की अहम भूमिका होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने का प्रयास करना होगा। इस पहल को ग्रीन हाउस गैसों को कम करने की दिशा में अमेरिका की गंभीर पहल के रूप में देखा जा रहा है। उत्सर्जन में कमी लाने के मकसद से ही विश्व के बड़े नेताओं को एकजुट करने के लिये ही इस जलवायु शिखर सम्मेलन का आयोजन किया भी गया था। दशक के अंत तक जीवाश्म ईंधन के उपयोग में अमेरिका का 52 फीसदी कमी लाना इस प्रतिबद्धता को जाहिर करता है।

जलवायु सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अपनी विकास की चुनौतियों के बावजूद स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा प्रभाविता और जैव विविधता को लेकर हमने कई साहसिक कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि महामारी के बीच सम्मेलन का आयोजन बताता है जलवायु परिवर्तन का संकट एक बड़ी चुनौती है। वहीं सम्मेलन में जापान ने 2030 तक उत्सर्जन कटौती का लक्ष्य मौजूदा 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 46 प्रतिशत करने का निर्णय किया है। जापानी प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने जापान में 2050 तक शून्य कार्बन स्तर का लक्ष्य तय किया है। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी सम्मेलन में 2030 तक उत्सर्जन में महत्वपूर्ण कटौती तथा 2060 तक नगण्य कार्बन स्तर की प्रतिबद्धता दोहरायी। दरअसल, भारत समेत सबसे ज्यादा जीवाश्म ईंधन का उपयोग करने वाले देश अमेरिका और अन्य विकसित देशों से कोयला संयंत्रों का विकल्प उपलब्ध कराने के लिये अरबों डॉलर की मदद को पूरा करने के लिये दबाव बनाते रहे हैं। निस्संदेह इन प्रयासों से पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने की उम्मीदें बढ़ी हैं। दरअसल, अमेरिका में सत्ता परिवर्तन पर जो बाइडेन के राष्ट्रपति बनने के बाद ही लगने लगा था कि ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन पर नियंत्रण के दिशा में सार्थक पहल होगी। इसकी वजह यह थी कि राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद उन्होंने 20 जनवरी को पेरिस जलवायु समझौते में अमेरिका की वापसी की घोषणा कर दी थी। यह भारत के लिये भी सुखद है कि बाइडेन ने कहा है कि वे भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग के लिये जलवायु साझेदारी को मुख्य आधार बनाना चाहते हैं, जिसका आधार अमेरिका का अक्षय ऊर्जा का लक्ष्य 450 गीगावाट हासिल करना है। निश्चित रूप से दुनिया को बचाने के लिये इन घोषणाओं को साकार करने की जरूरत है। अन्यथा दुनिया गर्म हवाओं की चपेट आ जायेगी और मनुष्य का जीवन कष्टप्रद हो जायेगा। यही वक्त है दुनिया के विकसित और विकासशील देश एकजुट होकर मानवता का भविष्य सुखद बनाने का प्रयास करें।

# आरबीआई मोरेटोरियम की सुविधा पर देगा लोन, बढ़ते कोरोना राज्यों में पोर्नाबंदी से उठे सवाल

**नईदिल्ली ।** पिछले साल कोरोना महामारी के चलते पूरे देश में लगे लॉकडाउन से कई लोगों के रोजगार छिन गए थे, व्यापार ठप हो गए थे. ऐसे में लोगों को ईमएआई चुकाने में राहत देने के लिए सरकार ने लोन मोरेटोरियम की सुविधा दी थी. कोरोना की दूसरी लहर के चलते दोबारा वैसे ही हालात बनने लगे हैं. अलग-अलग राज्यों में लगे लॉकडाउन से फिर स्थिति वैसी ही हो गई है. ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या

आरबीआई लोगों को दोबारा लोन मोरेटोरियम की सुविधा देगा.

लोग अभी तक पिछले लॉकडाउन से पूरी तरह रिकवर भी नहीं हो पाए थे कि कोरोना की दूसरी लहर से दोबारा एमएसएमई उद्योग पर बुरा प्रभाव पड़ने लगा है. कई यूनिट्स कम वर्कफोर्स के साथ काम चला रहे हैं तो कहीं दोबारा लॉकडाउन होने से काम पूरी तरह ठप हो गया है. कई व्यापारियों ने लोन ले रखा है ऐसे में उन्हें कर्ज चुकाने की टेंशन है. कारोबारियों के साथ-साथ आम कर्जदारों की परेशानियों को देखते हुए कयास लगाए जा रहे हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक एक बार फिर लोन मोरेटोरियम की घोषणा कर सकती है. क्योंकि केन्द्र सरकार पहले ही गरीबों के लिए मुफ्त राशन बांटने का ऐलान कर चुकी है.दिल्ली, महाराष्ट्र में लॉकडाउन सहित अन्य अनेक राज्यों में कोरोना के कारण रात्रि कर्फ्यू लगाया गया हे. इससे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ है. वहीं 3.5 लाख करोड़ का रिटेल कारोबार और 1.5 लाख करोड़ रुपये के थोक कारोबार के प्रभावित होने की आशंका है.

कोरोना महामारी के चलते हालात अब बेकाबू हो गए हैं. ऐसे में लोन मोरेटोरियम की मांग तेज होने लगी है, हालांकि अप्रैल माह की शुरुआत में चालू वित्त वर्ष 2021-22 के पहले मॉनिटरी पॉलिसी रिव्यू के दौरान लोन रिपेमेंट में मोरेटोरियम की सुविधा देने को हरी झंडी नहीं मिली थी. आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि इस समय सभी बिजनेस विशेष तौर पर निजी सेक्टर किसी भी स्थिति से निपटने के लिए और अपनी गतिविधियों को जारी रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. इसलिए अभी इसकी जरूरत नहीं है, लेकिन भविष्य में लिए जाने वाले किसी कदम के बारे में कोई संकेत नहीं दे सकते हैं.

## बैंकों के साथ साथ कई कम्पनी के शेयर्स बन चुके है लोगों की पहली पसंद

**नईदिल्ली ।** कोरोना के नए मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं. कारोबार पर इसके असर के बारे में बाद में पता चलेगा. मगर यह तय है कि संक्रमण की इस दूसर लहर ने आर्थिक रिकवरी को करारा झटका दिया है. इस बीच निवेशक उन शेयरों में निवेश कर रहे हैं, जिन्हें आर्थिक रिकवरी से सबसे ज्यादा फायदा होगा. बैंक इनमें सबसे आगे हैं. इसके चलते इस सेक्टर पर सबसे अधिक दांव लगाया जा रहा है. विश्लेषकों का मानना है कि इन शेयरों को मांग में सुधार का सबसे अधिक फायदा मिल सकता है. जानिए ब्रोकरेज कंपनियों को लुभा रहे हैं कौन से शेयर- एचडीएफसी बैंक इस शेयर ने साल 2021 में अभी तक सुस्त प्रदर्शन किया है.

इस साल यह शेयर सिर्फ 0.1 फीसदी बढ़ा है. मैक्केरी के वित्त सेवा रिसर्च प्रमुख सुरेश गणपति का मानना है कि इस शेयर की कमजोरी का इस्तेमाल इसकी खरीदने के लिए करनी चाहिए.गणपति ने कहा बुनियादी रूप से यह शेयर काफी मजबूत है और बैंक तेज रफ्तार से क्रेडिट कार्ड दे रहा है. यह दमदार ग्रोथ का संकेत हैं. मैक्केरी ने इस शेयर को 2,005 रुपये का टार्गेट देते हुए इससे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद लगाई है.

## भारत की विकास दर 11 फीसद रहने का अंदेशा, कोरोना की दूसरी लहर से पड़ सकती है इकॉनमी रिकवरी खतरे में

**नईदिल्ली ।** एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारतीय इकोनॉमी की 11 फीसद विकास दर का अनुमान लगाया है। बैंक के मुताबिक अगले वित्त वर्ष में यह विकास दर सात फीसद रहेगी। एडीबी ने कहा कि देश में टीकाकरण अभियान जोर-शोर से चल रहा है, जिससे इकोनॉमी में सुधार को बल मिला है।

हालांकि बैंक ने यह भी कहा है कि कोरोना की दूसरी लहर से देश की आर्थिक रिकवरी जोखिम में पड़ सकती है। एशियन डेवलपमेंट आउटलुक (एडीओ), 2021 में बैंक ने कहा कि अगले वर्ष 31 मार्च को खत्म होने वाले चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर 11 फीसद रहने का अनुमान है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि टीकाकरण अभियान तेजी से चल रहा है। लेकिन कोरोना संक्रमण मामलों में तेज उछाल ने रिकवरी की रफ्तार को जोखिम में डाल दिया है।

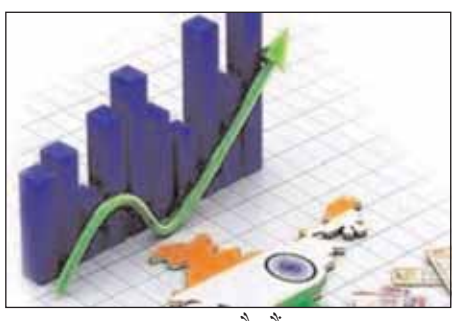

एडीबी ने इस वर्ष चीन की विकास दर 8.1 फीसद और अगले वर्ष 5.5 फीसद रहने का अनुमान लगाया है। बैंक का कहना है कि चीन का निर्यात आंकड़ा बेहद मजबूत है और घरेलू खपत भी तेजी से बढ़ रही है, जिसका फायदा उसे मिलेगा।एडीबी का कहना है कि दक्षिण एशिया की विकास दर इस वर्ष 9.5 फीसद रहने का अनुमान है। इस क्षेत्र की आर्थिक विकास दर में वर्ष 2020 के दौरान छह फीसद गिरावट दर्ज की गई थी।

वहीं, विकासशील एशिया की विकास दर इस वर्ष 7.3 फीसद रहने का अनुमान है। स्वस्थ वैश्विक विकास दर और कोरोना टीकाकरण में तेजी का लाभ विकासशील एशिया को मिलेगा। पिछले वर्ष इस क्षेत्र की विकास दर में 0.2 फीसद की गिरावट देखी गई थी।

## एसबीआई के बोर्ड ने बॉन्ड के जरिए दो बिलियन डॉलर जुटाने के प्रस्ताव को दे दी गई मंजूरी

### » बैंक के शेयर्स में आया 3 फ़ीसदी ता उछाल

**नईदिल्ली ।** देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक के केंद्रीय बोर्ड ने चालू वित्त वर्ष में बॉन्ड के जरिए दो बिलियन डॉलर (करीब 14,880 करोड़ रुपये) जुटाने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। एसबीआई ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी। बैंक ने शेयर बाजारों को बताया है कि केंद्रीय बोर्ड की एक्जीक्यूटिव कमेटी ने 28 अप्रैल, 2021 की अपनी बैठक में एक या कई चरण में दो बिलियन डॉलर तक का लांग टर्म फंड जुटाने के प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति दे दी।

एसबीआई ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान पब्लिक ऑफर या अमेरिकी डॉलर या किसी भी अन्य कंवर्टेबल करेंसी में सीनियर अनसेक्योर्ड नोट्स के प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए ये फंड एकत्र किए जाएंगे। बीएसई पर एसबीआई के शेयर बुधवार को 2.95 फीसद के उछाल के साथ 363.30 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुए।इसी बीच भारतीय रिजर्व बैंक की परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एआरसी) से जुड़ी समिति ने बुधवार को एआरसी पर लागू होने वाले मौजूदा कानूनी और नियामक मसौदे की समीक्षा के लिए स्टेकहोल्डर्स से सुझाव आमंत्रित किए। केंद्रीय बैंक को 31 मई, 2021 तक ये सुझाव दिए जा सकते हैं।

इससे पहले 19 अप्रैल को रिजर्व बैंक ने एआरसी के कामकाज की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन किया था।

## वरुण और कियारा की फिल्म जुग जुग जियो पर कोरोना की मार, मेकर्स ने लिया ये फैसला

बॉलीवुड के मशहूर कलाकार वरुण धवन और कियारा आडवाणी आने वाले दिनों में जल्द ही फिल्म जुग जुग जियो में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग मेकर्स ने काफी समय पहले ही शुरू कर दी थी। हालांकि अब इसी बीच फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। वरुण धवन और कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो पर कोरोना वायरस का कहर टूट पड़ा। देश में पिछले काफी समय से कोरोना वायरस की दूसरी लहर का प्रकोप छाया हुआ है। इस महामारी की वजह से ना जाने कितने लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं और कई लोगों की जान तक जा चुकी है। इस वायरस ने हर किसी को किसी न किसी तरह से प्रभावित किया है।

अब ऐसे में फिल्म इंडस्ट्री में भी इसका काफी गहरा असर पड़ रहा है। महाराष्ट्र में सीएम ने 15 दिनों का लॉकडाउन का ऐलान किया है। जिसकी वजह से किसी भी फिल्म की शूटिंग 30 अप्रैल तक नहीं की जाएगी। वरुण धवन और कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो के मेकर्स ने एक एक बड़ा फैसला किया है।

डायरेक्टर राज मेहता ने बताया कि, तय किया गया था कि दूसरे शेड्यूल की शूटिंग अप्रैल में शुरू किया जाएगा। लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाया। फिल्म की अभी 60 प्रतिशत तक शूटिंग होना बाकी है और बचा हुआ शूट अप्रैल के महीने में होने वाला था। लेकिन अब टीम के पास मुंबई शेड्यूल को पोस्ट करने के अलावा कोई भी उपाय नहीं है। डायरेक्टर ने बताया कि अब फिल्म के कलाकारों को दूसरे शेड्यूल के लिए दूसरी डेट जाए दी जाएगी।

हालांकि जिस तरह से देश में कोरोना वायरस लगातार फैलता जा रहा उसको देखते हुए अभी एक-दो महीने फिल्म् की शूटिंग होने की उम्मीद भी नहीं नजर आ रही है। अगर हम बात करें अभिनेता वरुण धवन के काम की तो वो आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

## आज का राशिफल

*मेषः* रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

*वृषभः* विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

*मिथुनः* मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी।

*कर्कः* आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

*सिंहः* बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देगा।

*कन्याः* स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। आय में कमी होगी।

*तुलाः* यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी।

*वृश्चिकः* कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

*धनुः* अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

*मकरः* स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है।

*कुंभः* कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा।

*मीनः* भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

## बाहुबली की दोनों सीरीज की सफलता के बाद मेकर्स करेंगे बाहुबली 3 का निर्माण

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर डायरेक्टर और फिल्म मेकर एस एस राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म सीरीज बाहुबली देश की सबसे बड़ी फिल्मों की लिस्ट में आती है। बाहुबली सीरीज की फिल्म ने दुनिया भर में कमाई के रिकॉर्ड तोड़ दिए है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धाकड़ कमाई करके सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म की लिस्ट में शामिल हो चुकी है। इस फिल्म में मुख्य किरदार के रूप में साउथ फिल्म के कलाकार नजर आए थे। जिसमें राणा दग्गुबाती का नाम भी शामिल

है। बाहुबली फिल्म में भल्लालदेव का किरदार राणा दग्गुबाती ने निभाया था। जो सिनेमा जगत के इतिहास में हमेशा के लिए अमर हो गया है। अभिनेता के इस किरदार को लोग सदियों तक याद रखेंगे।

अब हाल ही में अभिनेता राणा दग्गुबाती ने फिल्म को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। बाहुबली बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी हासिल की थी। जिसके बाद फैंस ये चाहते हैं कि मेकर्स बाहुबली फिल्म के तीसरे पार्ट का निर्माण करें। वैस आपकी जानकारी के लिए बता दें कि एस एस राजामौली अपनी अपकमिंग फिल्म ट्रिपल आर को लेकर काफी व्यस्त हैं। जिसका निर्माण वो बड़े स्तर पर कर रहे हैं। ऐसे में उनसे पूछा गया है कि, क्या वो बाहुबली 3 पर काम शुरू करेंगे और अगर शुरू करेंगे तो कब शुरू करेंगे। अभिनेता राणा दग्गुबाती ने हाल ही में एक खास बातचीत में इस बात का खुलासा किया कि बाहुबली 3 का निर्माण कब से शुरू होगा।

## राधे से एक हफ्ते पहले शाहरुख खान करेंगे अपनी फिल्म रिलीज

सुपरस्टार शाहरुख खान के बॉडी डबल प्रशांत वाल्डे सलमान खान की राधे 13 मई को स्क्रीन पर आने से एक हफ्ते पहले 7 मई को अपनी फिल्म प्रेमातुर रिलीज करेंगे। प्रशांत पिछले 15 सालों से शाहरुख की बॉडी डबल के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने सुपरस्टार के साथ ओम शांति ओम, डॉन, चेन्नई एक्सप्रेस, डियर जिंदगी, रईस, और फैन जैसी फिल्मों में काम किया है। प्रेमातुर में हेता शाह, कल्याणी कुमारी, श्रीराज सिंह, अमित सिन्हा, वीर सिंह और बिंध्या कुमारी भी हैं और फिल्म का निर्देशन सुमित सागर ने किया

है। अभिनय के अलावा, प्रशांत ने कहानी, पटकथा और संवाद लिखे हैं और फिल्म का निर्माण भी किया है, जिसे शांतनु घोष, सत्या और प्रवीण वालडे ने सह-निर्मित किया है। प्रेमातुर को एक थ्रिलर, हॉरर और रोमांटिक ड्रामा के रूप में पेश किया गया है, और प्रशांत ने एसआरके को फिल्म समर्पित की है।

## बनाएं कच्चे पपीते की चटनी

कच्चे पपीते से बनी चटनी न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाती है बल्कि स्नैक्स के साथ भी इसे एंजॉय किया जा सकता है। तो इसे बनाएं कैसे, आइए जानते हैं।

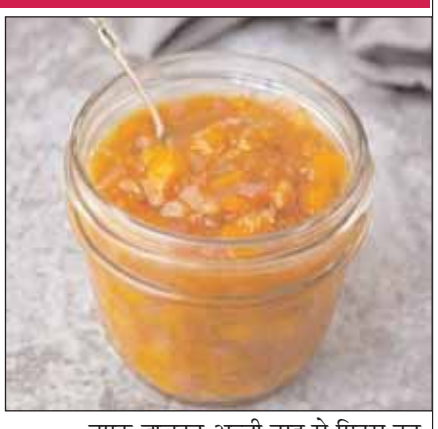

### सामग्री :

कच्चा पपीता- 150 ग्राम, गुड़ का चूरा- 200 ग्राम, सिरका/विनेगर- 1/2 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पून, कालीमिर्च पाउडर- एक चुटकी, लहसुन- 6 कलियां (बारीक कटी हुई), तुलसी- 6 पत्तियां (बारीक कटी हुई), किशमिश- 2 टेबलस्पून, हींग- चुटकी, जीरा पाउडर- 1/2 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार

### विधि :

सबसे पहले पपीते को छीलकर कद्दूकस कर लें। अब एक बर्तन में पपीता, गुड़ का चूरा, सिरका, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर, लहसुन, तुलसी, हींग, किशमिश और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिक्सचर को ढककर पांच घंटे के लिए रख दें।

लगभग पांच घंटे बाद इस मिक्सचर को तेज आंच पर पांच मिनट तक पका लें।

फिर धीमी आंच पर चम्मच से चलाते हुए इसे दस मिनट तक पका लें।

फिर गंस बंद कर दें।

पपीते की चटनी को खाने के साथ या स्नैक्स के साथ सर्व करें।

## शब्द सामर्थ्य- 64

**बाएं से दाएं**
1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

**ऊपर से नीचे**
1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

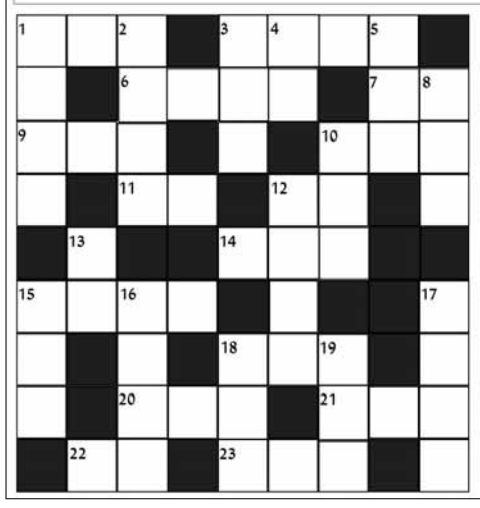

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 63 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ज | ल | ■ | आ | वा | जा | ही | ■ | ■ |
| मा | ■ | खू | ब | ■ | दू | र | स्थ | ■ |
| ना | दा | न | ■ | सा | ग | ■ | ल | क्ष्य |
| ■ | न | ख | ■ | त | र | ल | ■ | ■ |
| ■ | वी | रा | न | ■ | ■ | च | ट | क |
| ■ | र | ब | ■ | आ | ज | क | ल | ■ |
| ■ | ■ | ■ | आ | ग | ■ | दा | ना | ■ |
| ■ | अ | ग | र | म | ग | र | ■ | क्रो |
| भा | भी | ■ | ती | न | ■ | ■ | व | ध |

## सू-दोकू- 64

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | 6 | | 8 | | 3 | |
| 9 | | 8 | | 3 | | 4 | | |
| | | | | | | | 5 | |
| 5 | | 2 | | | 7 | | 6 | |
| | 8 | | 4 | | | 1 | | 3 |
| | | | | 9 | | | | |
| 8 | | | 9 | | | | 1 | |
| | 5 | | | 1 | | 6 | | 2 |
| | | 1 | 7 | | | | 4 | |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र. 63 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 3 | 8 | 1 | 4 | 9 | 7 | 5 |
| 9 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 3 | 1 | 8 |
| 8 | 7 | 1 | 9 | 3 | 5 | 4 | 6 | 2 |
| 6 | 2 | 7 | 5 | 4 | 8 | 4 | 3 | 9 |
| 3 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 2 | 5 | 4 |
| 4 | 1 | 5 | 3 | 2 | 9 | 6 | 8 | 7 |
| 5 | 3 | 2 | 4 | 8 | 6 | 7 | 9 | 1 |
| 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 2 | 5 | 4 | 3 |
| 7 | 4 | 9 | 1 | 5 | 3 | 8 | 2 | 6 |